



# '20 से ज्यादा राज्यों में भाजपा-एनडीए की सफाई', बंगाल जीतने के बाद बोले प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की जीत पर कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता ही शक्ति हैं। (जीएनएस)। नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है। इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं और जनता को धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम और पश्चिम बंगाल में जीत को लेकर एकस पर पोस्ट किया और इस जीत को पश्चिम बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं को इसका श्रेय दिया। साथ ही प्रधानमंत्री ने दिल्ली भाजपा मुख्यालय पहुंचें और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यकर्ताओं का दिया जीत

का श्रेय पीएम मोदी ने एकस पर लिखा, 'पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत, कई पीढ़ियों से अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रयासों और संघर्षों के बिना मुमकिन नहीं थी। मैं उन सभी को नमन करता हूँ, सालों तक उन्होंने कड़ी मेहनत की है, हर तरह के मुश्किल का सामना किया है और विकास के एजेंडे को लोगों तक

पहुंचाया है। वे ही हमारी पार्टी की असली ताकत हैं।' आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। हम एक ऐसी



आगे एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'पश्चिम बंगाल में कमल खिल गया, इस चुनाव को हमेशा याद रखा जाएगा। जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति सफल रही है। मैं पश्चिम बंगाल के हर एक व्यक्ति के सामने नतमस्तक हूँ।' सारकार देंगे जो समाज के सभी वर्गों को अवसर और सम्मान देगी।' असम की तीसरी बार पार्टी की जीत को लेकर भी पीएम मोदी ने लिखा, असम ने एक बार फिर भाजपा-एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया है। विधानसभा चुनावों में एनडीए की जीत, हमारे गठबंधन के विकास पर दिए जा रहे जोर और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों के प्रति अटूट समर्थन की दशाती है। मैं असम के भाई-बहनों का इस जनादेश के लिए एक बड़ी करता हूँ। मैं उन्हें यह भी भरोसा

दिलाता हूँ कि हम राज्य के कार्यालय के लिए लगातार काम करते रहेंगे। संबोधन के दौरान पीएम ने कहा, 'आज देश के 20 से ज्यादा राज्यों में भाजपा-ठंडा की सरकारें हैं। हमारा मंत्र है नागरिक देवो भवः। हम जनता की सेवा में जुटे हुए हैं और इसलिए जनता भाजपा पर ज्यादा से ज्यादा भरोसा कर रही है। जनता साफ देख रही है कि जहां भाजपा, वहां गु गवर्नेंस। जहां भाजपा, वहां विकास।' आगे कहा, 'आज भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में मेरे मन में एक और बात आ रही है। वो बात ये है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को आज कितनी शांति मिली होगी। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना करके प्रत्येक कार्यकर्ता को संदेश दिया था कि देश के लिए जीना है और देश के लिए मरना है। उन्होंने अपने जीवन से साबित किया कि राष्ट्र सर्वोपरि का मंत्र लेकर चलने वाले अपना जीवन देने में एक पल का भी संकोच नहीं करते। डॉ. मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए एक बड़ी लड़ाई लड़ी थी।'

मैंने कहा था कि इन्हें नारी का आक्रोश झेलना होगा... बीजेपी मुख्यालय से पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इसे राज्य के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि भयमुक्त और विकास-आधारित बंगाल की ओर बढ़ता हुआ निर्णायक कदम है। पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का जिक्र करते हुए कहा कि आज बंगाल की जनता ने उस सपने को साकार करने का अवसर भाजपा को दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल अब एक नई यात्रा की शुरुआत कर रहा है, जहां विकास, भरोसा और नई उम्मीदों साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए भाजपा पूरी ताकत से काम करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिलेगा, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे और पलायन पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान भारत योजना लागू करने का फैसला लिया जाएगा और घुसपैट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



## बाबा का बंगाल में बवंडर, असली धुरंधर तो निकले सीएम योगी, गजब का है स्ट्राइक रेट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी, नंदकुमार, कांथी दक्षिण, बाराबनी, रामपुरहाट, बोलपुर, माथाभंगा, धुपगुड़ी, जॉयपुर, गारबेटा, जोरासांको, चकदहा, उदयनारायणपुर, नबद्वीप, कटवा, बागदा, धानेखाली और राजारहाट गोपालपुर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं कीं। इसके अलावा उन्होंने बांकुड़ा, कल्याणी और दमदम में रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए थे। (जीएनएस)। लखनऊ: पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं, जिसमें टीएमसी का सुपड़ा साफ हो गया। बीजेपी की इस कदर आंधी चली है कि खुद ममता बनर्जी अपनी भवानीपुर सीट तक हार गईं। इस बार के चुनाव में बीजेपी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। खुद पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम दिग्गज नेता चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल पहुंचे हुए थे। हालांकि सबकी नजर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिकी हुई थी कि सीएम योगी ने जहां-जहां



योगी का स्ट्राइक रेट बंगाल चुनाव में भी जबरदस्त रहा है। सीएम योगी ने कुल 22 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था, उनमें से 18 सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की है। जानिए किस सीट पर सीएम योगी ने किया चुनाव प्रचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनामुखी, नंदकुमार, कांथी दक्षिण, बाराबनी, रामपुरहाट, बोलपुर, माथाभंगा, धुपगुड़ी, जॉयपुर, गारबेटा, जोरासांको, चकदहा, उदयनारायणपुर, नबद्वीप, कटवा, बागदा, धानेखाली और राजारहाट गोपालपुर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं कीं। इसके अलावा उन्होंने बांकुड़ा, कल्याणी और दमदम में रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता

और समर्थक शामिल हुए थे। किन-किन सीटों पर बीजेपी ने हासिल की जीत सोनामुखी में बीजेपी दिबाकर घरामी, नंदकुमार से बीजेपी के खानरा निर्मल, कांथी दक्षिण से अरूप कुमार दास, बाराबनी से बीजेपी के अरजित रॉय, रामपुरहाट से बीजेपी के धुवा साहा, माथाभंगा से बीजेपी के निसिथ प्रामाणिक, धुपगुड़ी से बीजेपी के नरेश रॉय, बांकुड़ा से बीजेपी के नीलाद्री शेखर दाना, पिंगला से बीजेपी के स्वागत मन्ना, जॉयपुर से बीजेपी के बिस्वजीत महतो, जोरासांको से बीजेपी के विजय झा, चकदहा से बीजेपी के बंकिम चंद्र घोष, नबद्वीप से बीजेपी के श्रुति शेखर गोस्वामी, कटवा से बीजेपी के कृष्णा घोष, बागदा से बीजेपी के सोमा ठाकुर, कल्याणी से बीजेपी के अनुपम विश्वास, दमदम से बीजेपी के अरजित बख्शी, राजारहाट गोपालपुर से तरुण ज्योति तिवारी जीत गए। कहां हुई हार धानेखाली विधानसभा सीट पर टीएमसी उम्मीदवार अस्मिता पात्रा ने बीजेपी उम्मीदवार को 13057 वोटों से हराया है। वहीं बोलपुर विधानसभा सीट पर टीएमसी के चंद्रनाथ सिन्हा ने बीजेपी के दिलीप घो, को 13188 वोटों से हरा दिया

पश्चिम बंगाल में खिला कमल तो क्यों रोने लगे केद्रीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ? बयां किया दर्द

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत की ओर अग्रसर है। फाइनल चुनाव परिणाम की चुनाव आयोग ने अभी अधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन रुझानों से साफ है कि भारतीय जनता पार्टी बहुमत



से सरकार बना रही है, जिसने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया। वहीं बंगाल चुनाव के नतीजों में भाजपा की जीत ने भाजपा के दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय को भावुक कर दिया। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री की आंखों से आंसू छलक पड़े।

## केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की जीत पर राहुल गांधी ने यूडीएफ के नेताओं व कार्यकर्ताओं को बधाई दी

(जीएनएस)। नई दिल्ली, कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि राज्य में "प्रतिभा" और "क्षमता" है। उन्होंने विजयी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के नेताओं व कार्यकर्ताओं को बधाई दी और केरल की जनता को उनके निर्णायक जनादेश के लिए धन्यवाद दिया। भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, केरल विधानसभा चुनाव में यूडीएफ ने लगभग 87 सीटों पर जीत दर्ज की या आगे चल रहे थे। गठबंधन में, कांग्रेस को 63, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को 22, तथा केरल कांग्रेस (जेकब) और रिवाल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (आरएमपीओआई) को एक-एक सीट मिली किरल में यूडीएफ की जीत पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया व्यक्त की है। केरल में कांग्रेस मिली जीत से गदगद राहुल गांधी क्या बोले ?



हर नेता और कार्यकर्ता को एक कठिन लेकिन सुव्यवस्थित अभियान के लिए बधाई।" गांधी ने यह भी कहा कि केरल में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है, और अब यूडीएफ सरकार के पास इन दोनों का सही उपयोग करने की दृष्टि

## एनडीए का प्रदर्शन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री



पालन करता है। उन्होंने कहा कि रुझान यह भी दर्शाते हैं कि युवा मतदाता विकास, विश्वसनीयता और जनता के साथ मजबूत जुड़ाव को महत्व देते हैं। श्री नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह

मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ एनडीए के नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई दी। मंत्री जोसेफ विजय, जिन्हें पूरे दक्षिण भारत में थलापति विजय के नाम से जाना जाता है, पहली बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी व्ज्ड की पूरे 234 सीटों

जिम्मेदारी भी है। बाकी राज्यों में कांग्रेस का मिली करारी हार? हालांकि, केरल के अलावा अन्य राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। जयराम रमेश ने स्वीकार किया कि पार्टी के लिए ये नतीजे संतोषजनक नहीं हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस न तो निराश है और न ही हतोत्साहित। उनका कहना था कि पार्टी एक वैचारिक संघर्ष लड़ रही है, जो लंबा और कठिन हो सकता है, लेकिन इसमें उनका संकल्प अडिग है। आगे की रणनीति रमेश ने बताया कि चुनाव परिणामों के गहन विश्लेषण के लिए पर्यवेक्षकों को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कांग्रेस का मानना ​​है कि लोकतंत्र और सत्य की रक्षा के लिए यह संघर्ष जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि जहां केरल में कांग्रेस बहुमत की ओर बढ़ रही है, वहीं असम में वह भाजपा को सत्ता से हटाने में विफल रही और पश्चिम बंगाल तथा पुडुचेरी में भी कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई।

## टीवीके ने पेरांम्बर-त्रिचि में डीएमके को किया धुआं-धुआं, विजय की प्रचंड जीत!

(जीएनएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू हुई, शाम 5 बजे तक पूरे राज्य में सियासी भूचाल ला दिया है। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की नई पार्टी तमिलगा वेद्री कजगम (TVK) ने डीएमके के पारंपरिक गढ़ों में जबरदस्त बढ़त बनाई है। विजय खुद पेरांम्बर और त्रिची पूर्व (तिरुचिरापल्ली पूर्व) सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं और दोनों जगह भारी अंतर से आगे चल रहे हैं। या यूँ कहें कि लगभग हरा ही दिया है। व्ज्ड पूरे राज्य में 100 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं, जो तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत दे रहा है। पेरांम्बर सीट पर 16 राउंड की कार्डिंग में विजय 36,591 के अंतर से लीड कर रहे हैं, जबकि त्रिची पूर्व सीट पर 15 राउंड की कार्डिंग में 19,153 लीड कर रहे हैं। सी. जोसेफ विजय, जिन्हें पूरे दक्षिण भारत में थलापति विजय के नाम से जाना जाता है, पहली बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी व्ज्ड की पूरे 234 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और युवाओं, शहरी मतदाताओं तथा बदलाव की तलाश में लगे लोगों को खास तौर पर साधा। विजय ने अभियान के दौरान भ्रष्टाचार, युवा बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर फोकस किया। 5:30 बजे तक के ट्रेंड्स (ECI डेटा के अनुसार): पेरांम्बर सीट: सी. जोसेफ विजय (TVK) - 83,042 वोट (+36,591 लीड), आर.डी. शेखर (डीएमके) - 46,451, एम. धिलागाथायामा (पीएमके) - 6,417 त्रिची पूर्व सीट: सी. जोसेफ विजय (TVK) - 58,322 (+19,153 लीड), एस. इनिगो इरुदयाराज (डीएमके) - 39,169, जी. राजशेखरन (एआईएडीएमके) - 13,586 ये आंकड़े विजय की स्टार पावर और TVK की संगठनात्मक ताकत को दिखाते हैं। पेरांम्बर जैसे डीएमके के मजबूत गढ़ में 36,000+ वोटों की लीड किसी बड़े उलटफेर का संकेत

है। TVK की राज्यव्यापी ताकत दोपहर तक TVK 109 सीटों पर आगे। सतराऊड़ डीएमके 59 सीटों पर और विपक्षी एआईएडीएमके 45 पर बढ़त बनाए हुए हैं। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें जरूरी हैं और TVK इस आंकड़े के बेहद करीब नजर आ रही है। कई सीटों पर व्ज्ड के उम्मीदवार 1,000 वोट से भी कम अंतर से पीछे हैं, जैसे कुंभकोणम (86 वोट), शोलावंदन (100 वोट) आदि। इस प्रदर्शन का मतलब है कि व्ज्ड न सिर्फ डीएमके और एआईएडीएमके की द्विपक्षीय राजनीति को चुनौती दे रही है, बल्कि उसे तोड़ भी रही है। कोलाथुर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को व्ज्ड उम्मीदवार वीएसबाबु ने 8 हजार के अंतर से लगभग हरा ही दिया है। पेरांम्बर और त्रिची: चुनावी महत्व





गारवी गुजरात  
हिन्दी



JioTV  
CHENNAL NO. 2002



Jio Air Fiber



Jio Tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba Tv



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गारवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

## सम्पादकीय

### फायदे के लिये प्रसाद में मिलावट आस्था पर गहरा सवाल

लड्डू प्रसाद में मिलावट यह मामला केवल धी की गुणवत्ता या खरीद प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न से जुड़ा है कि क्या हम अपनी आस्था से जुड़े संस्थानों में भी उतनी ही सख्ती और पारदर्शिता सुनिीत कर पा रहे हैं जितनी अन्य सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित होती है। यदि इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है तो यह समय है। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में लड्डू प्रसाद के लिए धी खरीद में सामने आया कथित घोटाला केवल एक प्रशासनिक अनियमितता का मामला नहीं है बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, धर्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता और सार्वजनिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होता बल्कि वह विश्वास, परंपरा और भावनात्मक जुड़ाव का वेंद्र होता है। ऐसे में जब प्रसाद जैसी पवित्र मानी जाने वाली वस्तु में मिलावट की आशंका सामने आती है तो उसका असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आस्था की नींव को भी हिला देता है। जांच समिति की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि लगभग सत्तर लाख किलोग्राम धी बिना अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण के खरीदा गया और कई मामलों में लैब रिपोर्ट आने से पहले ही उसका उपयोग प्रसाद बनाने में कर लिया गया। यह स्थिति किसी एक स्तर की चूक नहीं बल्कि एक पूरी व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है जिसमें नियमों की अनदेखी, निगरानी की कमी और संभावित मिलीभगत शामिल हो सकती है। जब किसी धर्मिक संस्था में इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री का उपयोग हो रहा हो तो उसके हर चरण पर सख्त नियंत्रण और पारदर्शिता अपेक्षित होती है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अगस्त 2022 की लैब जांच में सैंपलों में सिटोस्टेरॉल की मौजूदगी पाई गई जो वनस्पति तेल की मिलावट का संकेत माना जाता है। इसके बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई और सप्लायर्स को ब्लैकलिस्ट करने जैसे कदम नहीं उठाए गए। यह सवाल उठाना स्वाभाविक है कि जब मिलावट के संकेत स्पष्ट थे तो जिम्मेदार अधिकारियों ने तत्काल कदम क्यों नहीं उठाए। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं न कहीं प्रणाली में गंभीर खामियां या जानबूझकर की गई लापरवाही मौजूद थी। खरीद प्रक्रिया में भी कई ऐसी बातें सामने आई जो चिंता बढ़ाती हैं। असामान्य रूप से कम बोली स्वीकार करना, नीलामी के बाद अनौपचारिक बातचीत के जरिए कीमत कम करने की अनुमति देना और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करना यह दर्शाता है कि आर्थिक लाभ को प्राथमिकता दी गई जबकि गुणवत्ता और सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया। शुद्ध धी की कीमत और बाजार की वास्तविकता को देखते हुए अत्यधिक कम कीमत पर सप्लाई होना अपने आप में संदेह पैदा करता है। इस पूरे मामले में एक संगठित नेटवर्क के माध्यम से काम करने की आशंका भी जताई गई है जिसमें सप्लायर, विचौलिये और कुछ संस्थागत तत्व शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक प्रमुख सप्लायर ने वनस्पति तेल और अन्य एडिटिव्स का उपयोग कर मिलावटी धी तैयार किया और अयोग्य घोषित होने के बाद भी वह अन्य माध्यमों से सप्लाई जारी रखने के काम करने की आशंका भी जताई गई है जिसमें सप्लायर, विचौलिये और कुछ संस्थागत तत्व शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाए गए हैं कि टेंडर नियमों को कमजोर किया गया और मिलावट की पुष्टि के बावजूद सख्त कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि संबंधित पक्षों का कहना है कि सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए और नियमों के तहत ही प्रक्रिया अपनाई गई। यह विवाद अपने आप में इस बात का संकेत है कि पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर स्पष्टता का अभाव था। यह मुद्दा केवल एक राज्य या एक मंदिर तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश के धर्मिक संस्थानों के लिए एक चेतावनी है। भारत में मंदिरों में प्रसाद वितरण की परंपरा बहुत पुरानी है और यह श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती है। ऐसे में यदि कहीं भी गुणवत्ता से समझौता होता है तो उसका प्रभाव व्यापक स्तर पर पड़ता है।

## 71 साल की उम्र में भी डॉक्टर बनने की चाह, नीट एग्जाम देने पहुंचे लखनऊ के अशोक बहार की कहानी

अशोक बहार खूब चर्चा में हैं. उनका कहना है कि वो एक दिन डॉक्टर जरूर बनेंगे और इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं.

( जीएनएस )।

: उम्र को मात देने हुए कुछ कर दिखाने का जच्चा लखनऊ में दिखा जब हजारों युवा प्रतिभागियों के बीच एक 71 साल का बुजुर्ग डॉक्टर बनने के फौलादी इरादे से ठएएळ एग्जाम देने सेंटर पहुंचे. 71 साल के अशोक बहार पिछले कई साल मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए अटेम्प्ट दे रहे हैं. इस बार का उनका अटेम्प्ट सालों बाद आया है. अशोक बहार ने ठऊळ्ष को बताया कि ये सच है कि उनकी मां चाहती थी कि वो मै डॉक्टर बनें,

## दिल्ली में मंथन, लखनऊ में हलचल: योगी मंत्रिमंडल में शामिल होंगे नए चेहरे, ब्राह्मण और दलित समीकरणों पर बीजेपी का दांव

**पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद अब भाजपा का पूरा ध्यान उत्तर प्रदेश पर टिक गया है. लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है और माना जा रहा है कि 8 मई के आसपास योगी मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है. इसमें जातीय समीकरणों को साधने की बड़ी तैयारी है.**

( जीएनएस )।

भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की योजना बना रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट में यह बदलाव सांभवतः 8 मई के आसपास होगा. भाजपा इस विस्तार के जरिए दलित, ओबीसी और ब्राह्मण मजदताओं को साधने की कोशिश करेगी. पश्चिम बंगाल के चुनावों से मुक्त होकर अब पार्टी आलाकमान यूपी के क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों

क्यूक्ति उनके पिता एक अच्छे डॉक्टर थे. इसी वजह से मेरी मां ने उनकी शादी एक डॉक्टर लड़की से करवाई थी, जिससे डॉक्टर्स फैमिली बढ़ती रहे.

**पत्नी से मिली सीख**

अशोक बहार ने बताया कि मेरी पत्नी एक गायनोलीडक्टर है और ठळट में चीफ कंसल्टेंट पर सेवा दे चुकी हैं. बरसों बाद फिर मेडिकल एंट्रेंस की प्रेरणा मुझे मेरी पत्नी से मिली, मैं उनसे काफी कुछ इस क्षेत्र में लंबे समय से सीखता रहा हूं. अशोक बहार ने ठऊळ्ष से बातचीत में बताया कि

उनके पिता डॉ राम लाल बाहर लखनऊ में एक वरिष्ठ चिकित्सक थे, उनकी पत्नी मंजू बहार भी एक अच्छी थी, जिससे डॉक्टर्स फैमिली बढ़ती रहे.

**डॉक्टरों की फैमिली से आते हैं**

**अशोक बहार**
अशोक बहार बताते हैं कि उनकी और उनकी पत्नी की फैमिली में करीब 20 डॉक्टर्स हैं, जिनमें 5–6 लोग देश के बाहर अपनी सेवाएं दे रहे हैं. अशोक बहार ने बताया कि वो डॉक्टर

बनकर हेप्टोलॉजी में विशेष योगदान देना चाहते हैं. डॉ अशोक बहार के अनुसार लिवर कि समस्या महामारी

की तरह फैली हुई है, जिसकी शुरुआत फैटी लिवर से होती है. अशोक बहार ने ग्रेजुएशन टाइम में भी कई मेडिकल एंट्रेंस अटेम्प्ट दिए लेकिन सफलता नहीं ली. अशोक बहार उम्र के इस पड़ाव पर भी अपनी मां और खुद के सपने को पूरा करने में जुटे हैं.
**अशोक बहार**
मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल फर्टिलाइजर कळ्छ में वढ/वड मर्केटिंग हेड रह चुके हैं और श्पर के बाद इसी क्षेत्र में विदेश मंत्रालय में कंसल्टेंट के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं. फिलहाल उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिनमें वो नीट की परीक्षा देने के बाद एग्जाम सेंटर से बाहर आते दिख रहे हैं.

एक बड़ी चुनौती बना हुआ है. माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए भाजपा इन ज्वलंत मुद्दों से निपटने का फॉर्मूला ढूँढने की कोशिश करेगी. चुनावी साल में जनता की नाराजगी दूर करना पार्टी की प्राथमिकता है. इसी सिलसिले में दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश के कई बड़े नेता लगातार दिल्ली का दौरा कर रहे हैं.

**दिल्ली में चल रहा मंथन**
पिछले एक महीने से भाजपा महासचिव विनोद तावड़े यूपी के नेताओं से फीडबैक ले रहे हैं. उन्होंने सीएम योगी और दोनों डिप्टी सीएम समेत पूर्व अध्यक्षों से मुलाकात की है. अगले 10 महीनों में होने वाले चुनावों को देखते हुए यह विस्तार बेहद निर्णायक माना जा रहा है. दिल्ली में बड़े नेताओं का जमावड़ा इस बात का संकेत है कि जल्द ही नए नामों पर मुहर लग सकती है.

**मुद्दों से निपटने की कवायद**
पार्टी के सामने यूपीसी बिल और बिजली मीटर को लेकर जनता का रोष

कोशिश और नहीं, यह सिर्फ 'गैर-बंगाली' वोटर की चिंता नहीं थी.

यह खुद बंगाल के अंदर से आ रहा था, गांवों से लेकर शहरों के



महत्वाकांक्षी वर्ग तक. यहां तक कि भद्रलोक भी, अपने संभले और थोड़े झिझक भरे तरीके से, इसे महसूस करने लगे थे, लेकिन महसूस करना और उसमें शामिल होना अलग बात है. वे इस बदलाव को समझ रहे थे, लेकिन पूरी तरह भरोसा नहीं कर पा रहे थे.

सीधी बात यह है कि पश्चिम बंगाल बेचैन हो रहा था. यह झिझक तब तक रही, जब तक रही क्योंकि बंगाल में जो हो रहा था, वह सिर्फ एंटी-इनकंबेंसी नहीं था. यह कुछ ज्यादा शांत, लेकिन ज्यादा निर्णायक चीज थी: मोहभंग. पंद्रह साल का समय इतना होता है कि उम्मीद थकान

तमिलनाडु इस मॉडल का सबसे बड़ा उदाहरण है। यहां सिनेमा और द्रविड़ राजनीति का गहरा रिश्ता रहा। M.G. रामचंद्रन (MGR)



दक्षिण भारत में 'एक्टर से मुख्यमंत्री' का रास्ता बनाने वाले पहले नाम MGR हैं। 17 जनवरी 1917 को श्रीलंका के कांडी में जन्मे मरुदुर गोपालन रामचंद्रन का बचपन गरीबी में बीता। परिवार तमिलनाडु शिफ्ट हुआ। स्कूल छोड़कर उन्होंने 1936 में फिल्मों में एंट्री की। 135 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, ज्यादातर तमिल में। स्क्रीन पर वे गरीबों के मसीहा बने, फुल कैप, सनग्लासेस और सादगी भरी छवि।

1972 में उन्होंने AIADMK की स्थापना की। 1977 में पहली बार मुख्यमंत्री बने। 1977 से 1987 तक लगातार तीन बार (कुल 10 साल) सत्ता संभाली। मिड-डे मील जैसी योजनाओं से गरीबों को जोड़ा। जनता को लगता था कि स्क्रीन पर मदद करता है, वही असल जिंदगी में भी करेगा। 24 दिसंबर 1987 को निधन के बाद उन्हें भारत रत्न (1988) से सम्मानित किया गया। उनके अंतिम संस्कार में 20 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। MGR ने साबित किया कि फिल्मी छवि को राजनीतिक ब्रांड में बदला जा सकता है।

### क्या शादी करने जा रहीं हुमा कुरैशी? सामने आया सच, कौन है एक्ट्रेस का हमसफर?

( जीएनएस )।

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक बार फिर सुर्खियों में हैं लेकिन इस बार वजह उनकी फिल्म नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हुमा कुरैशी जल्द ही शादी करने जा रही हैं। हालांकि अब तक इस खबर पर एक्ट्रेस या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

कौन हैं हुमा कुरैशी के 'स्पेशल वन'?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हुमा कुरैशी का दिल सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर रचित सिंह (रूई रत्न) पर आया है। रचित सिंह इंडस्ट्री के कई बड़े स्टार्स को ट्रेनिंग दे चुके हैं और बॉलीवुड सर्कल में अच्छी-खासी पहचान रखते हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है, जिससे इनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि दोनों ने अब तक अपने

महसूस होता है, जैसे शहर रुक गया हो जबकि बाकी आगे बढ़ रहे हैं। मुझे पटना पहुँचकर इसका उल्टा महसूस हुआ कि एक ऐसी जगह जो अभी भी संघर्ष कर रही है, लेकिन बदलाव और आगे बढ़ने की कोशिश साफ दिखती है।

इसलिए ममता का कमजोर होना अचानक नहीं हुआ. यह धीरे-धीरे संकेतों में दिखा. लोकसभा के नतीजों में, पहले के चुनावी इशारों में ऐसे संकेत जो जमा होते रहे, लेकिन पूरी तरह समझे नहीं गए. सत्ता जब लंबे समय तक रहती है, तो उसमें एक तरह की अंधता आ जाती है. उसे लगता है कि संकेत सिर्फ शोर हैं.

जो नहीं समझा गया, वह विपक्ष नहीं था. जो नहीं समझा गया, वह भरोसे का कम होना था, खासकर उस पीढ़ी में, जिसने बाहर की दुनिया बहुत देख ली है और अब सीमाओं को स्वीकार नहीं करना चाहती. वे विचारधारा नहीं मांग रहे थे. उनकी मांग सीधी थी, आगे बढ़ना, आर्थिक, सामाजिक और अपने सपनों के हिसाब से.

नतीजों के बाद, हमेशा की तरह बहस होगी—संस्थाओं पर आरोप, खम और चुनाव आयोग पर सवाल, गड़बड़ी की बातें. लेकिन यह सिर्फ ऊपर की बात होगी, क्योंकि अंदर की सच्चाई ज्यादा सीधी है: नतीजों से

फिल्मों के लिए रिक्रट लिखीं, जैसे राजकुमारी और पाराशक्ति। 5 बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। कुल 19 साल सत्ता में रहे। उनके लेखन ने तमिल गौरव, सामाजिक न्याय और सुधार को जन-जन तक पहुंचाया। करुणानिधि ने साबित किया कि स्क्रीन के पीछे से भी राजनीति लिखी जा सकती है।

**एमके स्टालिन**

मीडूटा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने युवावस्था में टीवी और फिल्मों में छोटे रोल किए। 1980 के दशक में दो फिल्में, ओरे रथम (1987) और सीरियल कुरिजी मलर में काम किया। हालांकि उनका मुख्य करियर राजनीति में रहा, लेकिन यह उदाहरण दिखाता है कि सिनेमा-राजनीति का रिश्ता DMK परिवार में भी गहरा है। 2021 से वे मुख्यमंत्री हैं।

**आंध्र प्रदेश-तेलंगाना: 'स्टार से सत्ता तक क्रांति'**

**एनटी रामाराव (NTR)**

आंध्र प्रदेश में NTR का उदय किसी क्रांति से कम नहीं। 28 मई 1923 को जन्मे नंदमूरी तारक रामाराव ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। भगवान राम और कृष्ण जैसे पौराणिक किरदार निभाए। 1982 में Telugu Desam Party (TDP) बनाई। सिर्फ 9 महीने में 1983 में मुख्यमंत्री बने, कांग्रेस को हराकर। 'तेलुगु आत्मागौरव' का नारा दिया।

तीन बार (1983–84, 1984–89, 1994–95) उट रहे। रथ यात्रा निकालकर जनता से सीधा जुड़े। ठळ्छथे वे क्षेत्रीय राजनीति को नया आयाम दिया। उनका मॉडल आज भी आंध्र की राजनीति में स्टार पावर का आधार है।

**चिरंजीवी**
मेगा स्टार चिरंजीवी ने 2008 में

पहले ही बंगाल बदलना शुरू हो चुका था.

एक ऐसा राज्य जो दशकों तक वामपंथ की ओर झुका रहा, वह धीरे-धीरे कहीं और देखने लगा था—सिर्फ पार्टी के स्तर पर नहीं, बल्कि सोच के स्तर पर भी. वह तेज रफ्तार और देश की बड़ी विकास कहानी में शामिल होना चाहता था.

**असम से तमिलनाडु तक**

2026 के राज्य चुनावों का संदेश साफ है. भारत में सत्ता तब नहीं गिरती जब उसे चुनौती मिलती है. वह तब गिरती है, जब लोग उस पर भरोसा करना छोड़ देते हैं.

और यह पैटर्न सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है. तमिलनाडु में नए विकल्पों पर विचार हो रहा है. केरल में वोटर लगातार बदलाव करता रहता है. यह बेचैनी हमेशा दिखती नहीं, लेकिन होती जरूर है.

यहीं एक शांत चेतावनी छिपी है. यह इतनी तेज नहीं कि डर पैदा करे, न इतनी हल्की कि उसे नकारा जा सके, लेकिन इसकी दिशा साफ है. भारत में सत्ता को अक्सर विरोधी नहीं हराते; वह अपने ही भरोसे के धीरे-धीरे खत्म होने से हारती है. जब तक यह साफ दिखता है, तब तक वोटर चुपचाप अपना फैसला बदल चुका होता है—पूरी तरह और निश्चित रूप से.

### साउथ में एक्टर्स का दबदबा क्यों? कब-कौन बना सीएम? विजय की टीवीके पार्टी इतिहास रचने की ओर

Praja Rajyam Party (PRP) बनाई। 2009 चुनाव में 18 सीटें जीतीं, लेकिन CM नहीं बने। 2011 में पार्टी कांग्रेस में विलय कर दी। 2012–2014 में केंद्रीय पर्यटन मंत्री रहे। चिरंजीवी का केस दिखाता है कि हर सुपरस्टार CM नहीं बन पाता, लेकिन उनका प्रभाव राजनीति को बदल सकता है।

**पवन कल्याण**

चिरंजीवी के छोटे भाई पवन कल्याण ने 2014 में जनसेना पार्टी बनाई। युवाओं और किसानों के मुद्दे उठाए। 2024 में TDP गठबंधन के साथ आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बने। पंचायत राज, ग्रामीण विकास, पर्यावरण और विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे विभाग संभाले। यह साउथ में दुर्लभ उदाहरण है जहां एक बड़ा फिल्म स्टार डिप्टी CM बना। गठबंधन राजनीति में उनकी भूमिका आज भी अहम है।

साउथ की पॉलिटिक्स में एक्टर्स का दबदबा क्यों? 4 बड़े कारण

दक्षिण भारत में सिनेमा और राजनीति का रिश्ता दशकों पुराना है। यहां फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक हथियार रही हैं।

1. सिनेमा = जनभावनाओं पर पकड़

तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा ने हमेशा गरीबों, किसानों और महिलाओं की कहानियां दिखाईं। हीरो को 'मसीहा' की छवि मिली। MGR की फिल्मों में वे गरीबों के रक्षक बने, NTR ने तेलुगु गौरव का प्रतीक बनाया। जनता स्क्रीन पर देखा वही नेता असल जिंदगी में भी चाहती है।

2. फैन क्लब से वोट बैंक
स्टार्स के फैन क्लब रातोरात राजनीतिक कार्यकताओं में बदल जाते हैं। विजय के फैस की तरह MGR और जयललिता के फैन क्लब ने AIADMK को मजबूत किया। आज टीवीके के

किया गया है।
इंटरमेट वेंडिंग प्लान, बाद में होगा ग्रैंड रिसेशन
सूत्रों के मुताबिक हुमा कुरैशी अपनी शादी को काफी निजी रखना चाहती हैं। वह इस खास मौके पर सिर्फ अपने करीबी दोस्तों और परिवार के लोगों को ही शामिल करने की योजना बना रही हैं। हालांकि शादी के बाद एक बड़ा रिसेशन आयोजित किया जा सकता है, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े स्टार्स शामिल हो सकते हैं
**फैंस को है आधिकारिक ऐलान का इंतजार**
इन खबरों के सामने आने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं और अब सभी को हुमा कुरैशी की तरफ से आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। अगर ये खबर सच साबित होती है, तो ये बॉलीवुड की चर्चित शादियों में से एक हो सकती है।

## पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन, लखनऊ एसजीपीजीआई में ली अंतिम सांस, प्रयागराज में होगा अंतिम संस्कार

पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का लखनऊ के SGPGI में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में किया जाएगा।

(जीएनएस)। लखनऊ: पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ स्थित SGPGI में सुबह करीब 7 बजे अंतिम सांस ली। रीता बहुगुणा जोशी ने अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिए इस दुखद समाचार की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

कुछ समय से चल रहे थे अस्वस्थ

## बंगाल में टीएमसी का 'भय' परास्त, प्रधानमंत्री मोदी का 'भरोसा' विजयी, 2027 चुनाव के जबरदस्त ऊर्जा: पंकज चौधरी

(जीएनएस)। लखनऊ, चार मई (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बंगाल में टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) का 'भय' परास्त हुआ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का 'भरोसा' विजयी हुआ है।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान में चौधरी ने यह दावा किया। बयान के अनुसार पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पंकज चौधरी ने कहा, "गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा को मां गंगा और जनता जनार्दन का आशीर्वाद मिल रहा है।"



परिजनों के मुताबिक, पीसी जोशी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और SGPGI में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उनका निधन हो गया।

तकनीकी क्षेत्र में दिया

अनुशासित व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। प्रयागराज में होगा अंतिम संस्कार परिवार के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर सोमवार देर शाम प्रयागराज लाया जाएगा। मंगलवार को प्रयागराज में पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

**सीएम योगी ने जताया शोक** वहीं, इस दुखद खबर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने पर लिखा कि पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन अत्यंत दुखद है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की।

**महत्वपूर्ण योगदान** पीसी जोशी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर थे। उन्होंने तकनीकी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1976 में उनका विवाह रीता बहुगुणा जोशी से हुआ था। वे अपने सरल, मिलनसार और

नेतृत्व को इस विजय का आधार बताते हुए इसे देश में विकास, सुशासन और विश्वास की राजनीति की जीत बताया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी संगठन को और सशक्त बनाते हुए 'मिशन 2027' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटे हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा आने वाले समय में और अधिक मजबूती के साथ जनता की सेवा करती रहेगी।

बयान के अनुसार प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की विजय पर बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम राष्ट्रवाद और विकास के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा ने देशभर में जनसेवा और पारदर्शी शासन का जो मॉडल प्रस्तुत किया है, उसी का परिणाम है कि जनता ने एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा, "बंगाल और असम

## बेकाबू स्विफ्ट डिजायर ने पहले से हुई दुर्घटना में मदद के लिये पहुंचे 8 लोगों को रौंदा, मदद कैसे बनी मौतों का जाल ?

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले में रविवार रात करीब 12 बजे एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर के बाद घायलों की मदद के लिए इकट्ठा हुए लोगों को तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने कुचल दिया। इस दर्दनाक घटना में कुल 8 लोगों की मौत हो गई। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर भुवा भट्टे (ईंट भट्ठा) के पास हुआ।

यह सिर्फ एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि चैन रिएक्शन एक्सीडेंट का क्लासिक उदाहरण है कि जहां एक छोटी गलती ने मानवीय सहानुभूति को मौत में बदल दिया। पुलिस और प्रशासन अब इसकी जांच कर रहे हैं, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट्स में तेज रफ्तार और बेकाबू गाड़ी को मुख्य वजह बताया जा रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं...

**हादसा कैसे हुआ ? कैसे भयानक मोड़ आया ?** 3 मई की आधी रात को अकबरपुर-जलालपुर मार्ग पर दो मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं। दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के गांवों के लोग ज्यादातर युवा और ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े। वे घायलों को उठाने, उन्हें सड़क के किनारे ले जाने और अस्पताल पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

इसी बीच जलालपुर की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर मौके पर पहुंची। कार ने सड़क पर खड़े आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को सीधे कुचल दिया। हादसे की तीव्रता इतनी थी कि कार आगे बढ़ते हुए सड़क के गड्ढे में गिरकर पलट भी गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने घायलों को सीएचसी जलालपुर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर

दिया। दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल और फिर टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। इस तरह कुल मौतों का आंकड़ा 8 हो गया।

**मृतकों की पहचान: ज्यादातर युवा, एक किशोर भी शामिल**



पुलिस ने अब तक 6 मृतकों की पहचान कर ली है। ये सभी अंबेडकरनगर जिले के विभिन्न गांवों के निवासी थे:

कैफी (32 वर्ष), सैदापुर निवासी उत्तम कुमार (24 वर्ष), कटका सेमरा निवासी आदित्य कुमार (25 वर्ष), सम्मनपुर जैना निवासी लालचंद (24 वर्ष), जलालपुर पट्टी मोईन निवासी राजू गुप्ता (32 वर्ष), सम्मनपुर सिकंदरपुर निवासी छोटू उर्फ दिव्यांश (14 वर्ष), सम्मनपुर जैना निवासी दो अन्य मृतकों की पहचान अभी चल रही है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पूरे इलाके में मातम का माहौल है। 14 वर्षीय दिव्यांश की मौत ने परिवार को बुरी तरह झकझोर दिया है।

**हादसे का कारण, तेज रफ्तार या और कुछ ?** प्रशासन और पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार कार की तेज रफ्तार मुख्य वजह थी। रात के अंधेरे में सड़क पर गड्ढे, कम रोशनी और संभवतः ड्राइवर की लापरवाही ने मिलकर यह त्रासदी पैदा की। कार ड्राइवर के बारे में अभी कोई

आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। पुलिस ने मौके से गवाहों के बयान दर्ज किए हैं और एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**ऐसी चैन दुर्घटनाएं क्यों होती हैं ?**

भारत में सड़क हादसे की सबसे बड़ी वजह ओवरस्पीडिंग है। राष्ट्रीय

आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। पुलिस ने मौके से गवाहों के बयान दर्ज किए हैं और एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऐसी चैन दुर्घटनाएं क्यों होती हैं ?

भारत में सड़क हादसे की सबसे बड़ी वजह ओवरस्पीडिंग है। राष्ट्रीय

अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार हर साल देश में 1.5 लाख से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। उत्तर प्रदेश इनमें टॉप पर रहता है। अंबेडकरनगर जैसे ग्रामीण इलाकों में रात के समय ट्रैफिक कम होने का फायदा उठाकर कई ड्राइवर तेज रफ्तार पकड़ लेते हैं।

इस हादसे में तीन बड़े फैक्टर नजर आते हैं:

रात का समय और विजिविलिटी: आधी रात को हेडलाइट्स के अलावा कोई रोशनी नहीं। बाइक टक्कर के बाद लोग सड़क के बीच में खड़े हो गए – जो खतरनाक था।

सड़क की स्थिति: अकबरपुर-जलालपुर मार्ग पर गड्ढे आम हैं। कार इन्हीं गड्ढों में फंसकर अनियंत्रित हुई।

मानवीय सहानुभूति का दुरुपयोग: घायलों की मदद करना अच्छा है, लेकिन सड़क पर भीड़ लगाना ट्रैफिक नियमों के खिलाफ है। डायल 112 या एंबुलेंस बुलाना चाहिए था।

पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। अगर नशा या मोबाइल फोन इस्तेमाल पाया गया तो क्वड्रो की

धारा 304अ (लापरवाही से मौत) के साथ अन्य धाराएं भी जोड़ी जाएंगी।

अंबेडकरनगर में सड़क सुरक्षा: लगातार बढ़ते हादसे यह हादसा जिले का पहला नहीं है। बीते कुछ महीनों में अंबेडकरनगर में कई बड़े एक्सीडेंट हो चुके हैं। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और खराब सड़कें यहां की आम समस्या हैं।

जिला प्रशासन ने पहले भी कई बार चेतावनी दी थी, लेकिन रात के समय पेट्रोलिंग कमजोर रहती है। सरकार की ओर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसे प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, लेकिन ग्रामीण मार्ग अभी भी उपेक्षित हैं। सड़क किनारे ईंट भट्टों और गांवों की वजह से ट्रैफिक अनियमित रहता है।

अंतिम सवाल: क्या हम सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं ? अंबेडकरनगर का यह हादसा सिर्फ आंकड़ों का नहीं, बल्कि इंसानी लापरवाही का शिकार है। तेज रफ्तार, खराब सड़क और मदद के नाम पर सड़क पर भीड़ – तीनों ने मिलकर 8 जिंदगियां छीन लीं।

## मौसम का डबल अटैक ! चेन्नई में पाए 40°C पाए, आईएमडी ने जारी किया

(जीएनएस)। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर आज हो रही मतगणना ने पूरे राज्य का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। लेकिन इस चुनावी सर्रामी के बीच कुदरत का मिजाज भी कुछ कम गर्म नहीं है। राजधानी चेन्नई समेत राज्य के कई हिस्से इस समय भीषण गर्मी और 'ग्री-मानसून' के डबल अटैक का सामना कर रहे हैं। 4 मई को राज्य की जनता अगले पांच साल की सरकार का फैसला सुनने को बेताब है, तब चेन्नई में गर्मी ने साल का अब तक का सारा रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

**चेन्नई में टूटा गर्मी का रिकॉर्ड:** 40.6°C पर पहुंचा पारा मई महीने की शुरुआत के साथ ही चेन्नई में 'हीटवेव' जैसे हालात बन गए हैं। रविवार को चेन्नई के

## लखनऊ में लैंड नहीं कर पाई उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की फ्लाइट

(जीएनएस)। लखनऊ। मौसम खराब होने के कारण सोमवार सुबह दिल्ली से लखनऊ आ रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक का विमान आंधी में फंस गया। इसके बाद विमान को भोपाल डाइवर्ट किया गया।

लखनऊ में मौसम ठीक होने के बाद दोपहर 12:27 बजे विमान पहुंच सका। इसके अलावा दो अन्य विमान भी हवा में चक्कर काटते रहे। दिल्ली में खराब मौसम के कारण दृश्यता कम हो गई। इससे रविवार रात 11 से तड़के तीन बजे तक 15 विमानों को लखनऊ डाइवर्ट किया गया। यह विमान एक के बाद एक चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे। मौसम ठीक होने के बाद विमान दिल्ली रवाना हो गए।

दोनों उप मुख्यमंत्री इंडिगो



एयरलाइन के विमान 6ई-6476 से दिल्ली से सुबह 7:20 की जगह 8:02 बजे लखनऊ के लिए रवाना हुए। लखनऊ के करीब विमान पहुंचा तो तूफान में फंस गया। पायलट ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एटीसी से संपर्क किया। विमान को भोपाल डाइवर्ट कर दिया गया। भोपाल से यह विमान दोपहर 12:27 बजे लखनऊ पहुंचा।

इसके अलावा हैदराबाद से लखनऊ आ रहा विमान 6ई-179 हवा में 30 मिनट तक और चंडीगढ़ से आ रहा विमान 6ई-146 करीब एक घंटा तक चक्कर लगाने के बाद लखनऊ उतर सका। इसी तरह दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण वहां के लिए रात 2:22 बजे रवाना हुआ विमान दोपहर 12:27 बजे लखनऊ पहुंचा।

## 'पीएम मोदी के नेतृत्व में सोनार बांग्ला बनेगा पश्चिम बंगाल', बोले सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले

रामदास आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल को 'सोनार बांग्ला' बनाया जाएगा, जहां हर नागरिक को रोजगार, सुरक्षा और सम्मान मिलेगा। (जीएनएस)।

नई दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सोनार बांग्ला बनाने का काम किया जाएगा, जहां हर नागरिक को रोजगार, सुरक्षा, और सम्मान प्रदान कर तथा बंगाली अस्मिता को पुनः स्थापित कर सोनार बांग्ला को चरितार्थ किया जाएगा।

रामदास आठवले ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश की जनता का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है, जिसका प्रमाण विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्राप्त जनादेश है और यह विजय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के

संकल्प को और मजबूत करती है तथा राष्ट्र के विकास-पथ को नई गति देती है।

आठवले ने कहा कि विगत अनेक



वर्षों से भर्ती घोटालों और भ्रष्टाचार से जनता की नाराजगी, महिलाओं की सुरक्षा पर उठते सवाल, और केंद्र की विभिन्न योजनाओं का लाभ राज्य में न मिलने से उपजा असंतोष ही टीएमसी की करारी हार का मुख्य कारण बना है।

आठवले ने कहा कि आम जनता ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के

खिलाफ मतदान के माध्यम से टीएमसी को आईना दिखाने का काम किया है। रामदास ने कहा कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनने के पश्चात

इस प्रकार की घटनाओं पर विराम लगना तय है। केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि यह विजय यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन में विकास, सुशासन और 'डबल इंजन की सरकार' पर जनता

## बंगाल में काउंटिंग से पहले भारी बवाल! भवानीपुर में भिड़े टीएमसी और भाजपा एजेंट, बगैर आईकार्ड मतगणना स्थल में घुसने पर हुआ हंगामा

(जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों का दिन आ गया है। पूरे देश की नजर आज बंगाल पर टिकी हुई है, जहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है। सुबह 8 बजे से 293 विधानसभा सीटों पर मतगणना शुरू होगी।

कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित सखावत मेमोरियल स्कूल के बाहर मतगणना शुरू होने से पहले ही माहौल गरमा गया। यहां TMC और बीजेपी के काउंटिंग एजेंट्स के बीच तीखी बहस देखने को मिली। बिना ID कार्ड के अंदर जाने की कोशिश

बीजेपी के एक काउंटिंग एजेंट ने आरोप लगाया कि TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें फाइल और पेन अंदर ले जाने से रोका जा रहा है, जबकि बीजेपी एजेंट्स को इसकी परवाह नहीं है। उनका कहना है कि

मीनमबक्कम (Mee»rÔmbÔkkÔm) मौसम केंद्र ने 40.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया, जो इस साल का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। भले ही आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे, लेकिन उमस (Humidity) का स्तर 58% के करीब होने के कारण लोगों को भारी बेचैनी का सामना करना पड़ा। केवल दिन ही नहीं, बल्कि रात का तापमान भी 29-30 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जिससे सूर्यास्त के बाद भी राहत नहीं मिल रही है।

**भीतरी इलाकों में 'आग' जैसे हालात: वेल्लोर 42.8°C के पार** चेन्नई से दूर तमिलनाडु के भीतरी जिलों में गर्मी और भी विकराल रूप ले चुकी है। वेल्लोर में रविवार को पाया 42.8 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया

बीजेपी एजेंट्स नियमों का पालन कर रहे हैं, लेकिन बेवजह विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया



कि बीजेपी बंगाल में बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

**TMC कार्यकर्ताओं ने लगाए भेदभाव के आरोप** वहीं TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें फाइल और पेन अंदर ले जाने से रोका जा रहा है, जबकि बीजेपी एजेंट्स को इसकी परवाह नहीं है। उनका कहना है कि

अनुमति दी जा रही है। एक TMC कार्यकर्ता ने कहा कि नियम सभी के लिए एक जैसे होने चाहिए। उन्होंने

**बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा दावा** पश्चिम बंगाल में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मतगणना शुरू होने से पहले बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव 'जनता

बनाम ममता' बन चुका है और लोगों ने छटउ को नकार दिया है। उनके मुताबिक कुछ घंटों में बीजेपी सरकार बनाने की स्थिति में होगी।

**मतगणना पर टिकी नजर** अब सबकी नजर मतगणना पर टिकी हुई है। शुरुआती रूझानों से यह साफ होने लगेगा कि बंगाल में सत्ता की कुर्सी किसके हाथ जाने वाली है। रिकॉर्ड मतदान और हार्ड-वोल्टेज प्रचार के बाद आज का दिन बंगाल की राजनीति के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

इस बार पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान कराया गया था। पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को हुआ। चुनाव में 92.93% फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जिसे राज्य के चुनावी इतिहास में बेहद अहम माना जा रहा है। बंगाल में पहले चरण में 93.19% और दूसरे चरण में 92.67% वोटिंग हुई। भारी मतदान के बाद राजनीतिक दलों के बीच उत्साह और तनाव दोनों बढ़े हुए हैं।

राहत की खबर 2 दिन बाद गिरेगा तापमान चेन्नईवासियों के लिए मौसम वैज्ञानिकों ने थोड़ी राहत की उम्मीद जताई है। अगले दो दिनों के बाद तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। दिन का अधिकतम तापमान 40°C से घटकर 37-38°C के आसपास स्थिर होने का अनुमान है। मैदानी इलाकों की तपिश के अलग तमिलनाडु के हिल स्टेशनों का नजारा बिल्कुल अलग है। कोडाइकनाल में न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा।

विमान रात 11:35 बजे, औरंगाबाद-दिल्ली विमान रात एक बजे, मुंबई-दिल्ली विमान रात 12:55 बजे,कोयंबटूर- दिल्ली विमान रात एक बजे,गुवाहाटी- दिल्ली विमान रात सवा एक बजे लखनऊ में उतरा। इसी तरह हैदराबाद- दिल्ली विमान रात 2:34 बजे,मस्कट- दिल्ली विमान रात 2:40 बजे,फुकेट- दिल्ली विमान रात 2:43 बजे, हैदराबाद- दिल्ली विमान रात 2:48 बजे आया। जयपुर से दिल्ली जा रहे चार विमान रात तीन बजे, 3:30 बजे , 3:37 बजे और 3:38 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे। बेंगलुरु- दिल्ली विमान रात 3:31 बजे लखनऊ आया। अचानक इतनी बड़े पैमाने पर विमानों के डाइवर्ट होने पर एटीसी सतर्क हो गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने भी विमानों के लिए पार्किंग वे एरिया खाली कराया।



# लखनऊ में नई बिजली व्यवस्था से भ्रष्टाचार बढ़ा, पांच माह में नौ निलंबन, 12 से ज्यादा बार स्थानांतरण

(जीएनएस)। लखनऊ। राजधानी में 15 नवंबर 2025 को नई बिजली व्यवस्था वर्टिकल लागू हुई थी। इसका बड़ा प्रचार-प्रसार हुआ। उद्देश्य था कि बेहतर बिजली मिलेगी, फेसलेस व्यवस्था होगी। भ्रष्टाचार इसलिए खत्म हो जाएगा क्योंकि उपभोक्ता या आवेदनकर्ता की अभियंता से मुलाकात ही नहीं होगी।

सब आनलाइन होगा। सारी व्यवस्था भी ऐसी ही बनाई गई थी लेकिन बिजली विभाग के अभियंताओं ने इन व्यवस्थाओं में भी भ्रष्टाचार करने के रास्ते निकाल लिए। 15 नवंबर से दो मई 2026 तक नौ अभियंताओं के निलंबन हो चुके हैं और दर्जनों बाबुओं को जिले के बाहर भेजा जा चुका है।

यह निलंबन भ्रष्टाचार में लिप्त होने के कारण हुए हैं। वहीं हैल्पलाइन नंबर 1912 के सेटअप पर हर माह करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं लेकिन जिस उद्देश्य से इसे संचालित करने का दावा किया गया था, वह भी सफल अभी तक नहीं हुआ। क्योंकि समस्याओं को

बिना हल किए निस्तारित कर दिया जा रहा है।

कुल मिलाकर बिजली विभाग जहां से चला था, वहीं पर आकर फिर खड़ा है। उपभोक्ता को बेहतर बिजली



व पारदर्शिता चाहिए, बिजली विभाग ने बिजली व्यवस्था तो सुधारी है लेकिन पारदर्शिता के नाम पर भ्रष्टाचार बढ़ा है।

केस एक- 24 फरवरी 2026 को बिजली कनेक्शन देने में मनमानी करने वाले सात अभियंताओं को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया

केजरीवाल ने निलंबित कर दिया था। यह सभी अभियंता अमौसी ज़ोन के थे।

इसके अलावा 24 बाबुओं को जिले के बाहर भेज दिया गया था। यह

सहायक अभियंता प्रशांत कुमार गिरी, अनुभव कुमार सिंह, अमित कुमार, अवर अभियंता दीपक पांडे, रविन्द्र कुमार सिंह, दिनेश कुमार थे।

यह भी पढ़ें- लखनऊ में आंधी-

बारिश से बिजली गुल, दिन में छाया अंधेरा; तीन विमानों की लैंडिंग रुकी केस दो-

27 अप्रैल को बिजली कनेक्शन देने के नाम डेढ़ लाख घूस मांगने का मामला सामने आया था। अवर अभियंता निलेश सिंह का वीडियो वायरल हुआ था। अधीक्षण अभियंता केके चौधरी ने मामले की जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया था।

दो मई 2026 को अमौसी ज़ोन के अवर अभियंता विनय कुमार का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में जेई के गठजोड़ ने एक हजार से अधिक बिजली कनेक्शन निरस्त कर दिए थे। नियमानुसार इन्हें निरस्त करने का कोई सही जवाब भी निलंबित अभियंता नहीं बता पाए।

निलंबित अभियंताओं में अधिशासी अभियंता नीरज कुमार,

## अफीम की तस्करी करने वाला ठेकेदार लखनऊ से गिरफ्तार, बरेली से ड्रग लेकर सप्लाई करने आया था, एसटीएफ ने की कार्रवाई

(जीएनएस)। लखनऊ। एसटीएफ ने रविवार देर रात पॉलीटेक्निक चौराहे के पास से अफीम की तस्करी करने वाले ठेकेदार को दबोचा। आरोपित अंतर्राज्यीय तस्कर है (उसके पास से 2.20 किलो अफीम बरामद की गई है। एसटीएफ ने बताया कि तस्कर के पास से बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 11 लाख रुपये आंकी गई है।

अपर पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोहम्मद

शहबाज उर्फ राजू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पश्चिमी चंपारण (बिहार) का निवासी है और वर्तमान में जालंधर (पंजाब) में रह रहा था।आरोपित को तीन मई 2026 की रात करीब 11:30 बजे पालीटेक्निक चौराहे से भूतनाथ जाने वाली मुख्य सड़क पर पकड़ा गया। बरेली से अफीम लेकर पालीटेक्निक चौराहे के पास सप्लाई करने के लिए पहुंचा था।



तस्कर के पास से अफीम के अलावा दो मोबाइल फोन और नकदी समेत अन्य माल बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने वर्ष 2024 में बीएससी

(केमेस्ट्री) की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद नेपाल के पोखरा में सिविल इंस्ट्रक्शन का काम किया, लेकिन कम आमदनी के चलते उसने तस्करी का रास्ता अपनाया।

जालंधर में उसकी पहचान राहुल नामक युवक से हुई, जो मादक पदार्थों की तस्करी करता था। राहुल की मौत के बाद वह खुद इस धंधे में सक्रिय हो गया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

## लखनऊ से वाराणसी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस की तीन बोगियों में आई खराबी, रायबरेली में मरम्मत के लिए रोकी ट्रेन

लखनऊ से वाराणसी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस की तीन बोगियों में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण ट्रेन को रायबरेली स्टेशन पर रोकना पड़ा।

(जीएनएस)। रायबरेली। लखनऊ से वाराणसी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में तकनीकी खामी आने से कुछ देर के लिए यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामला उस समय सामने आया जब ट्रेन के गाड़ ने रायबरेली रेलवे स्टेशन के कैरिज एवं वैगन विभाग की टीम तीन बोगियों के खामी



होने की जानकारी दी। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर लखनऊ- वाराणसी इंटरसिटी

एक्सप्रेस पहुंची। जांच के दौरान ट्रेन की तीन बोगियों में तकनीकी गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद ट्रेन को कुछ देर

तक रोकी गई। सूचना मिलने पर कैरिज एवं वैगन टीम मौके पर पहुंची और बोगियों की जांच शुरू की। टीम ने हुए खराबी को ठीक किया। मरम्मत कार्य के दौरान ट्रेन कुछ समय तक प्लेटफार्म पर ही खड़ी रही। कैरिज एवं वैगन विभाग के इंचार्ज एके यादव का कहना है कि इंचार्ज एके यादव का कहना है कि बोगी नंबर चार, पांच और छह में आई खामी सामान्य तकनीकी समस्या थी, जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया। मरम्मत के कारण कुछ देर तक ट्रेन को रोकना पड़ा था। मरम्मत पूरी होने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया।

## 'केरल में अब बदलाव का वक्त,' यूडीएफ की वापसी और मिलती दिख रही बढ़त पर गदगद हुए शशि थरूर

(जीएनएस)। केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए 4 मई को सुबह से शुरू हुई मतगणना ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। शुरूआती रज़ानों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ (UDF) को मिलती बढ़त को देख कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने राज्य की जनता को बधाई देते हुए इसे बदलाव का संदेश बताया है।

थरूर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुरूआती 90 मिनटों की गिनती के बाद एलडीएफ (LDF) के कई दिग्गज नेता और मंत्री अपनी-अपनी सीटों पर पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

'जनता ने बदलाव का मन बना लिया है': शशि थरूर तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए शशि थरूर ने कहा कि रज़ान बहुत स्पष्ट हैं और राज्य की जनता ने एलडीएफ सरकार की नीतियों को नकार दिया है। कार्टेटिंग शुरू होने के सवा घंटे के भीतर ही हमारे पक्ष में बहुत स्पष्ट रज़ान दिखने लगे हैं।

यहां तक कि एलडीएफ के कुछ लोकप्रिय राजनेता भी पिछड़ रहे हैं। केरल के मतदाताओं को बधाई दी

जानी चाहिए; उन्होंने तय कर लिया है कि अब बदलाव का समय आ गया है। थरूर ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि नई सरकार के लिए उनकी प्राथमिकता

यह भी स्पष्ट किया कि वे समय से पहले कोई बड़ा जश्न नहीं मनाना चाहते, लेकिन मौजूदा स्थिति को पलटने के लिए अब एलडीएफ को किसी बड़े चमत्कार की जरूरत होगी।



केरल की "विनाशकारी राजकोषीय स्थिति" को सुधारना और राज्य को निवेश का केंद्र बनाना होगी। केरल को पलायन से बचाने की चुनौती

थरूर ने अपने संबोधन में केरल के युवाओं के भविष्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरा संदेश विकास का होगा। हमें केरल को फिर से निवेश का स्वर्ग बनाना होगा ताकि हमारे युवाओं को पलायन न करना पड़े। आज स्थिति यह है कि नौजवान राज्य छोड़कर भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें यह कोई संभावना नहीं दिखती। थरूर ने

UDF ने पार किया बहुमत का आंकड़ा

सुबह 10 बजे तक के रज़ानों के अनुसार, केरल की तस्वीर कुछ इस तरह है:

UDF: 85 सीटों पर बढ़त (बहुमत के 71 के आंकड़े से आगे) LDF: 57 सीटों पर बढ़त (पिछली बार की तुलना में भारी नुकसान)

NDA/अन्य: 4 सीटों पर बढ़त रज़ानों में मुख्यमंत्री पिनारayi विजयन के मंत्रिमंडल के कम से कम 7 मंत्री पीछे चल रहे हैं, जिनमें वीणा

### 15 हजार वोटों से हार गयीं ममता बनर्जी

कोलकाता, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य की भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव हार गयीं



उन्हें उनके निकटतम विरोधी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने 15, 105 मतों से पराजित किया। इस सीट पर बीस चक्र तक मतों की गणना हुयी। जब गणना शुरूआती दौर में थी तो श्री अधिकारी ने बढ़त बना ली थी लेकिन जल्दी ही ममता बनर्जी ने 16 हजार से अधिक मतों से बढ़त बना ली। लेकिन इसके बाद उनकी बढ़त गिरती चली गयी। एक बार फिर 17वें चक्र में श्री अधिकारी ने बाजी पलट दी और करीब 550 वोटों से आगे हो गए।

इसके बाद के तीनों चक्र में उन्होंने अपनी बढ़त को और मजबूत किया और आखिरकार सुश्री बनर्जी को 15, 105 मतों से हरा दिया।

### लखनऊ में आंगनवाड़ी के 198 पदों पर होगी भर्ती, 16 मई तक करें आवेदन

(जीएनएस)। लखनऊ। जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के 198 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयश कुमार ने सभी योग्य अभ्यर्थियों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षिक योग्यता का सही और



पूर्ण विवरण देना अनिवार्य है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास स्नातक या

परास्नातक तक की डिग्री है, तो उसे आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेखित करना आवश्यक होगा।

भर्ती प्रक्रिया बीपीएल, मेरिट, विधवा सहित विभिन्न वरीयता मानकों के आधार पर की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 16 मई निर्धारित की गई है। प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि इस सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाए, ताकि पात्र अभ्यर्थी इस अवसर का लाभ उठा सकें।

## बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भी रहेगा सन्नाटा! चुनाव आयोग ने जश्न और जुलूस पर लगाया बैन

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों की घड़ी आ गई है। मतों की गिनती के बीच चुनाव आयोग ने राज्य में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सोमवार को राज्य में कहीं भी उम्मीदवारों की जीत के जश्न न रैलियां या विजय जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विशेष चुनाव रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने PVI से बातचीत करते हुए कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन की इजाजत नहीं

आयोग का यह निर्णय उन शिकायतों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि विभिन्न पार्टियों के

इजाजत किसी को नहीं होगी।

भारतीय चुनाव आयोग (ECI) की आधिकारिक वेबसाइट के शुरूआती



कार्टेटिंग एजेंटों को केंद्रों तक पहुंचने में बाधा आ रही है। गुप्ता ने आश्वासन दिया कि एजेंटों से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान किया जा रहा है, लेकिन सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन की

रज़ानों के अनुसार, राज्य में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। फिलहाल इखद ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है, और 148 सीटों पर आगे चल रही है। वोटों की गिनती

अभी भी जारी है।

बता दें कि इस बार पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में मतदान हुआ था। इस चुनाव ने मतदान के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस साल राज्य में 92.93% रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है, जो 2011 के बाद अब तक का सबसे अधिक है।

सत्ता की जंग: ममता बनाम अधिकारी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचाने और लगातार चौथी बार ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल करने के लिए मैदान में हैं। वहीं, बीजेपी की ओर से शुभेंदु अधिकारी मुख्य चेहरा बनकर उभरे हैं। 2021 के चुनाव में नंदीग्राम से ममता बनर्जी को हराते वाले अधिकारी इस बार बीजेपी को सत्ता तक पहुंचाने की कोशिश में हैं।

## यूपी में आंधी-तूफान, 100 फीट ऊंची चिमनी ढही:पानी की टंकी लटकी, शादी का मंडप उड़ गया, 22 जिलों में बरसात; 5 की मौत

(जीएनएस)। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ।

यूपी में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह अयोध्या, सीतापुर और बारांबंकी में ओले गिरे। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी के बाद बारिश हुई।

लखनऊ में तूफान के साथ करीब डेढ़ घंटे तक पानी बरसा। यहां सुबह 8:20 बजे अचानक मौसम बदला। दिन में रात जैसा अंधेरा छा गया। फिर बिजली कड़कने लगी। इसके बाद जोरदार बारिश हुई।

बारिश और तूफान से पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। नाले उफना गए। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिस्ट्री सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन तेज हवाओं और खराब विजिविलिटी के चलते लैंडिंग नहीं हो सकी। सीतापुर, सिद्धार्थनगर और बाराबंकी में शादी के टेंट उड़ गए। सिद्धार्थनगर में एक मैरिज हॉल का मंडप भी उड़कर हाईवे पर गिरा। तेज आंधी-तूफान से पानी की टंकी टूटकर लटक गई। हालांकि अधिशासी अभियंता ने बताया कि टंकी नहीं गिरी है, बल्कि तेज हवा के कारण अधूरी फिक्स जॉइंट एलम शीट्स हट गईं।

पीलीभीत में आंधी-बारिश से ईंट-भट्टे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। कासगंज में आंधी के दौरान एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से 2 बच्चों की मौत हो गई। औरैया में निमाणाधीन मकान की दीवार गिरने से दादी और पोती की मौत हो गई।

संभल में आकाशीय बिजली गिरने से मकान की छत का एक हिस्सा ढह गया। मलबा नीचे सो रही बच्ची पर गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है।

खराब मौसम पर सीएम योगी ने कहा- प्रदेशवासी सतर्क रहें। खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे न जाएं। बच्चों को घर के अंदर ही रखें। किसानों से अपील है कि वे अपनी फसलों और पशुओं का ख्याल रखें। सभी जिलाधिकारी, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट मोड में रहें।

तूफान और बारिश की तस्वीरें-



लखनऊ में तूफान के साथ डेढ़ घंटे तक तेज बारिश हुई। कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

लखनऊ में बारिश-तूफान ने मलिहाबाद में आम की बागवानी को तहस-नहस कर दिया।

सीतापुर में तेज आंधी आई। इससे शादी के टेंट उड़ गए।

सिद्धार्थनगर के इटवा नगर पंचायत क्षेत्र में पानी की टंकी तेज आंधी-तूफान से टूट गई। गोरखपुर के शास्त्री चौक पर सवारियों से भरा ई-रिक्शा पलट गया। जिसमें स्कूल के बच्चों समेत करीब आठ लोग सवार थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया।

क्यों बदला मौसम, जानिए लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक

अतुल सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला हुआ है। प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक बारिश, आंधी और बिजली गिरने के घटनाएं होंगी। 4 से 7 मई के बीच 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। ओले गिरेंगे। एक सप्ताह तक लू चलने के आसार नहीं हैं।

सिद्धार्थनगर में तेज आंधी के चलते मैरिज हॉल का मंडप उखड़कर नेशनल हाईवे पर जा गिरा, जिससे यातायात प्रभावित हो गया।

बाराबंकी में सोमवार सुबह रुक-रुककर बारिश होती रही। ओले भी गिरे।

कहां-कहां हो रही बारिश, जानिए

जिन 22 जिलों में बारिश हुई। उसमें कुशीनगर, फरुखाबाद लखीमपुर खीरी, बस्ती,अंबेडकरनगर, कासगंज, अयोध्या, लखनऊ, सुल्तानपुर, वाराणसी, गोंडा, हरदोई, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, उन्नाव, गोरखपुर, कानपुर, सीतापुर, संभल, गाजियाबाद सहारनपुर और बरेली शामिल हैं।

24 घंटे में 15 शहरों में बारिश, फरुखाबाद में पोल उखड़े पिछले 24 घंटे की बात करें तो अयोध्या समेत 15 जिलों में बारिश हुई। फरुखाबाद में आंधी से पोल उखड़ गए। सुल्तानपुर में चक्की पर पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। बाराबंकी में सबसे ज्यादा 50 मिमी बारिश हुई।

इसके अलावा सुल्तानपुर में 35.3 मिमी और गोंडा में 31.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। रविवार को जालौन सबसे गर्म शहर रहा। यहां का पारा 43.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

बारिश से फसलों को नुकसान से बचाव के लिए किसानों को नुकसान पहुंचा है। पंचायत क्षेत्र में पानी की टंकी तेज आंधी-तूफान से टूट गई। गोरखपुर के शास्त्री चौक पर सवारियों से भरा ई-रिक्शा पलट गया। जिसमें स्कूल के बच्चों समेत करीब आठ लोग सवार थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया, कई लोग घायल हुए हैं।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम? जानिए

5 मई: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। 60 की रफ्तार से आंधी चलेंगी। बिजली और ओले गिरने के आसार हैं।

6 मई: पूरे प्रदेश में बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 30-40 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 7 मई: पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रहेगा। पूर्वी यूपी में आंधी-तूफान के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। ओले भी गिर सकते हैं।

8 मई : पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी। कहीं-कहीं आंधी भी चल सकती है। लू से राहत मिलेगी।

9 मई: पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 30-40 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। औरैया में दीवार गिरने से दादी-पोती की मौत

औरैया में सोमवार सुबह एक निमाणाधीन मकान की दीवार गिरने से दादी और 10 साल की पोती दब गए। गंभीर हालत में उन्हें सैफर्ड रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे एरवा कटरा थानाक्षेत्र के भटपुरा गांव में हुई।

एरवा कुईली ग्राम पंचायत के मजरा बहारिया में किशनपुर जाने वाली सड़क पर कमलेश देवी (55) अपनी 10 साल की पोती आंशिक के साथ निमाणाधीन मकान के पास बिखरी मौरंग और अन्य सामग्री इकट्ठा कर रही थीं। इसी दौरान तेज हवा के झोंके से अचानक दीवार गिर गई, जिससे दादी और नातिन मलबे के

नीचे दब गई। 58 मिनट पहले वाराणसी में फिर बदला मौसम, तेज हवा के साथ बारिश शुरू

वाराणसी में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। इस समय 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। मौसम के अचानक बदलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

गोरखपुर में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत

गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र के लालपुर टिकर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान शशिकांत यादव (32) और विकास यादव (32) के रूप में हुई है।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोरखपुर में आंधी-बारिश में कार पर पेड़ गिरा, अंडरपास में कार डुबी

गोरखपुर में तेज आंधी और बारिश के दौरान कई हादसे सामने आए। फॉरेस्ट क्लब के पास त्रिभुवन यादव रोड पर स्कॉर्पियो से उतरते ही उस पर पेड़ गिर गया। हालांकि सवार लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शास्त्री चौक पर सवारियों से भरा ई-रिक्शा पलट गया, जिसमें स्कूल के बच्चों समेत करीब आठ लोग सवार थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया, कई लोग घायल हुए हैं।

धर्मशाला रेलवे अंडरपास में जलभराव के कारण एक कार डूब गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे एरवा कटरा थानाक्षेत्र के भटपुरा गांव में हुई।

एरवा कुईली ग्राम पंचायत के मजरा बहारिया में किशनपुर जाने वाली सड़क पर कमलेश देवी (55) अपनी 10 साल की पोती आंशिक के साथ निमाणाधीन मकान के पास बिखरी मौरंग और अन्य सामग्री इकट्ठा कर रही थीं। इसी दौरान तेज हवा के झोंके से अचानक दीवार गिर गई, जिससे दादी और नातिन मलबे के